Havoc caused due to flood in Rishi Ganga in Uttarakhand and increased human intervention in the Ganga-Himalaya region

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि इतने महत्वपूर्ण विषय पर आपने मुझे बोलने की आज्ञा दी है।

मान्यवर, गंगा और हिमालय हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं। इनका बहुत बड़ा व्यवसायीकरण किया जा रहा है। एक तो हिमालय कच्चा पहाड़ है और इस कच्चे पहाड़ में अंधाधुंध ब्लास्टिंग की जा रही है, जिससे पूरा पहाड़ हिल जाता है। अभी वहाँ पर जो व्यवसायीकरण हो रहा है - 19 बाँध पहले से बने हुए हैं, उनके अलावा 8 नये बाँध और बनाये जा रहे हैं। चार धाम यात्रा के लिए सड़क चौड़ी की गयी है, जिसमें एक लाख पेड़ काटे गये हैं। ये पेड़ ऐसे हैं, जो कि दोबारा वहाँ पर फिर से नहीं लगाये जा सकते। पूरे हिमालय में 400 गुना ज्यादा कार्बन ग्लेशियर में जमा हो रहा है, जिसके कारण ग्लेशियर इतने बड़े पैमाने पर टूट रहे हैं कि एक बार तो केदार धाम में त्रासदी हुई, जिसमें हजारों लोग मारे गये और अभी ऋषि गंगा में कम से कम 200 लोग मारे गये और आज तक उनका अता-पता नहीं लग पाया।

मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूँ कि जो भी कार्य हिमालय में हो रहा है, उसको तत्काल रोक दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिया था, मैं उसका भी उद्धरण आपको देना चाहता हूँ और एक-आध मिनट में सुषमा स्वराज जी, जो उस समय लोक सभा में नेता विरोधी दल थीं, उनका भी उद्धरण आपके सामने पढ़ना चाहूँगा।

मान्यवर, यह जो कंक्रीट का निर्माण हो रहा है, यह हिमालय की जलवायु को भी बहुत प्रभावित कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट की कमेटी की रिपोर्ट बताती है कि अकेले चार धाम यात्रा में लगभग एक लाख से ज्यादा बाँझ, देवदार, कैल, पदमा, तोन जैसे अनमोल पेड़ काट दिये गये हैं। मान्यवर, मैं बस एक मिनट में खत्म करूँगा। ये पेड़ फिर दोबारा लगाये नहीं जा सकते। आप इससे अंदाजा लगा लीजिए कि जो जलवायु-परिवर्तन हो रहा है और पानी का संकट हो रहा है, अभी नीति आयोग की रिपोर्ट है कि 60 परसेंट ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Time is over. ...*(Interruptions)*...धन्यवाद, रेवती रमन जी। ...(**व्यवधान**)...

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सुभाष चंद्र सिंह (ओडिशा): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री शक्तिसिंह गोहिल (गुजरात): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूँ।

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री रेवती रमन सिंह: सर, एक मिनट। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: ऐसा नहीं हो सकता। ...(**व्यवधान**)... आपको मालूम है कि ऐसा नहीं हो सकता। इसीलिए मैंने आपको थोड़ा पहले ही बता दिया था। श्री शक्तिसिंह गोहिल।

श्री रेवती रमन सिंह: मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करूँगा। ...(**व्यवधान**)... मान्यवर, इस पर कभी चर्चा करवा दीजिएगा।

श्री सभापति: ठीक है। ...(**व्यवधान**)... ठीक है। प्लीज़। ...(**व्यवधान**)...

चौधरी सुखराम सिंह यादव: सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आपने उनके लिए अपने preference का त्याग किया, उनको दे दिया, बाद में आपका भी नम्बर आयेगा। श्री शक्तिसिंह गोहिल।